नववर्ष के पारंपरकि त्योहार

प्रलिमि्स के लयि:

बैसाखी, वशिु, नाबा बरसा, वैसाखड़ी और पुथांडु-परिाप्पु तथा बोहाग बहिू।

मेन्स के लयि:

नववर्ष के पारंपरकि त्योहार।

चर्चा में क्यों?

भारत के राष्ट्रपतनि 'चैत्र शुक्लादि, गुड़ी पड़वा, उगादि, चेटीचंड, वैसाखी, वसिु, पुथांडु और बोहाग बहिू' की पूरव संध्या पर लोगों को बधाई दी है।

- वसंत ऋतु के ये त्योहार भारत में **पारंपरकि नववरष** की शुरुआत के प्रतीक हैं।

नववर्ष के पारंपरकि त्योहार:

- **बैसाखी:**
  - इसे हदिुओं और सखिों द्वारा मनाया जाता है।
  - यह हदिू सौर नववर्ष की शुरुआत का प्रतीक है।
  - यह वर्ष 1699 में गुरु गोवदि सहि के खालसा पंथ के गठन की याद दलिाता है।
  - बैसाखी के दनि औपनविशकि ब्रटिशि साम्राज्य के अधकिारयिों ने एक सभा में जलयिांवाला बाग हत्याकांड को अंजाम दयिा था, यह औपनविशकि शासन के खलिाफ भारतीय आंदोलन की एक घटना थी।
- **वशिु:**
  - यह एक हदिू त्योहार है जो भारत के केरल राज्य, कर्नाटक में तुलु नाडु क्षेत्र, केंद्रशासति प्रदेश पुद्दुचेरी का माहे ज़लिा, तमलिनाडु के पड़ोसी क्षेत्र में और उनके प्रवासी समुदाय द्वारा मनाया जाता है।
  - यह त्योहार केरल में सौर कैलेंडर के नौवें महीने, मेदाम के पहले दनि को चहि्नति करता है।
  - ग्रेगोरयिन कैलेंडर के अनुसार, यह हर वर्ष अप्रैल के मध्य यानी 14 या 15 अप्रैल को मनाया जाता है।
- **पुथांडु:**
  - इसे पुथुवरुडम या तमलि नववर्ष के रूप में भी जाना जाता है, यह तमलि कैलेंडर में वर्ष का पहला दनि है और एक पारंपरकि त्योहार के रूप में मनाया जाता है।
  - इस त्योहार की तारीख तमलि महीने चथिरिई के पहले दनि के रूप में हदिू कैलेंडर के सौर चक्र के साथ नरि्धारति की जाती है।
  - इसलयि यह ग्रेगोरयिन कैलेंडर में हर वर्ष 14 अप्रैल को आता है।
- **बोहाग बहिू:**
  - बोहाग बहिू या रोंगाली बहिू, जसि हतबहिु (सात बहिू) भी कहा जाता है, असम के उत्तर-पूर्वी भारत और अन्य भागों में मनाया जाने वाला एक पारंपरकि आदवािसी जातीय त्योहार है।
  - यह असमयिा नववर्ष की शुरुआत का प्रतीक है।
  - यह आमतौर पर अप्रैल के दूसरे सप्ताह में आता है, ऐतहिासकि रूप से यह फसल के समय को दर्शाता है।
- **नाबा बरसा**
  - बंगाली कैलेंडर के अनुसार, पश्चमि बंगाल में नववर्ष को नाबा बरसा उत्सव के रूप में मनाया जाता है।
  - इसे पोइला बोइशाख (Poila Baisakh) के नाम से भी जाना जाता है जसिका शाब्दकि अर्थ है पहली बैसाखी (बंगालयिों के चंद्र-सौर कैलेंडर में एक महीना)।
    - बंगाली लोग इस नए साल के त्योहार को साथ मलिकर अन्य बंगाली त्योहार की तरह जोर-शोर से मनाते हैं।
  - इस त्योहार को पूरे बंगाल में सभी जातयिों और धर्मों के लोगो द्वारा मनाया जाता है।
  - दुर्गा पूजा के बाद यह **बंगाल में दूसरा सबसे अधकि प्रचलति त्योहार** है, यह त्योहार खासकर बंगाल के उन बंगाली लोगों को जोड़ता है, जो मूल रूप से हदिू हैं।

यूपीएससी सिविलि सेवा परीक्षा, विगित वर्षों के प्रश्न (PYQs):

प्रश्न. निम्निलखिति युग्मों पर विचार कीजियि: (2018)

पारंपरकि त्योहार राज्य

पारंपरकि त्योहार	राज्य
1. चापचार कुट उत्सव	मिज़ोरम
2. खोंगजोम परबा गाथागीत	मणपिुर
3. थांग-ता नृत्य	सकि्कमि

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 3
(d) केवल 2 और 3

उत्तर: (b)

- **चापचार कुट मज़िोरम** के सबसे पुराने त्योहारों में से एक है तथा इसका एक महान सांस्कृतकि महत्त्व है।
- **खोंगजोम परबा ढोलक (drum)** का उपयोग करते हुए **मणपिुर से गाथागीत गायन** की एक शैली है। इसमें वर्ष 1891 में ब्रटिशि साम्राज्य के खलिाफ मणपिुर के लोगों द्वारा वीरता से लड़े गए युद्ध की कहानयिों को दर्शाया गया है।
- **थांग-ता प्राचीन मणपिुरी** मार्शल आर्ट के लयि एक लोकप्रयि शब्द है जसि **ह्यूएन लालोंग** के नाम से जाना जाता है। थांग-ता तलवार और भाला नृत्य है जहाँ 'थांग' का अर्थ है **'तलवार' और 'ता' का अर्थ है 'भाला'।**

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/traditional-new-year-festivals-2